Sh. D.

No. 11

$\frac{11}{483}$

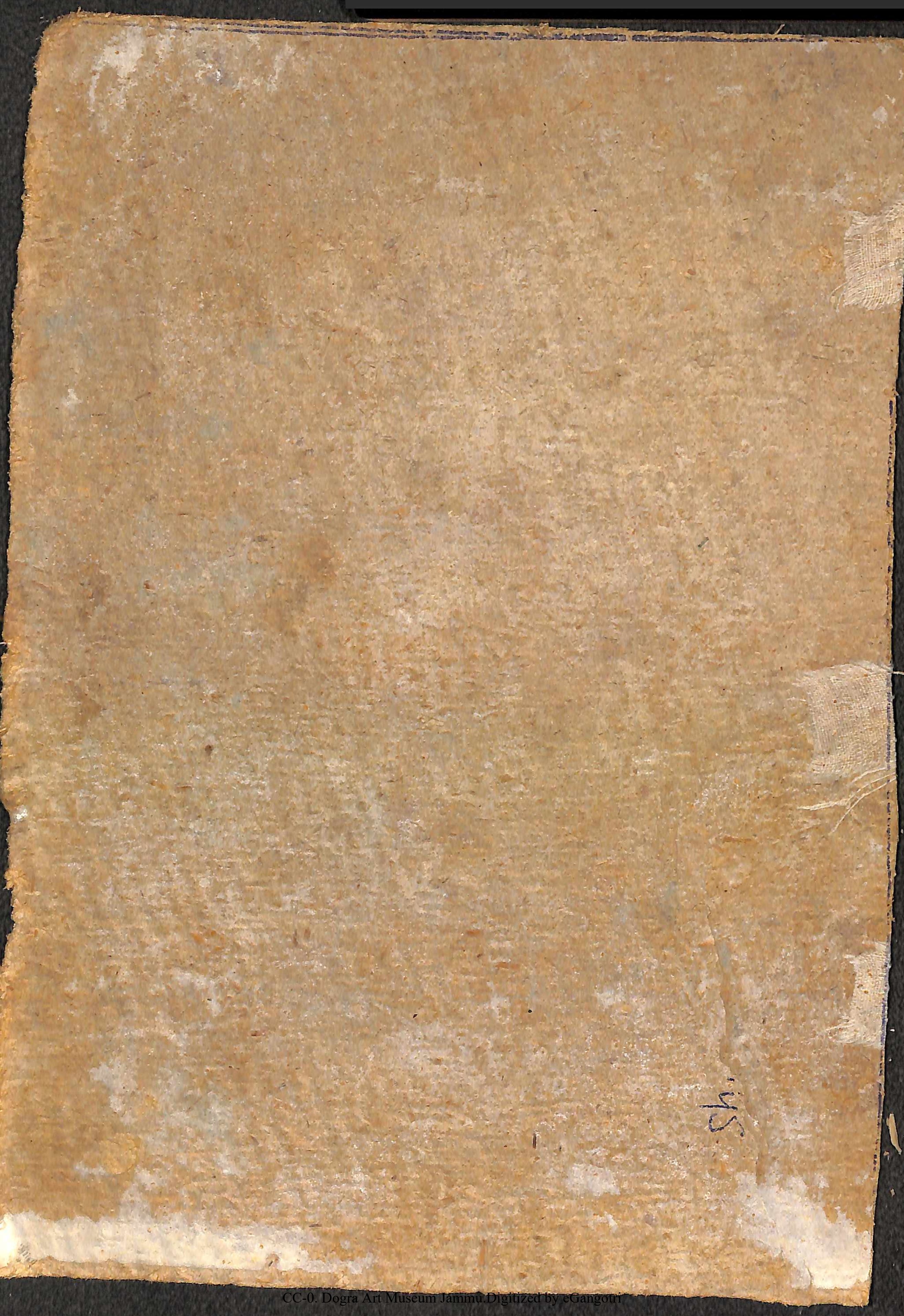
$\frac{}{418}$ P.

वैश्राचयनब्राह्मण
मंत्रब्राह्मण

unpublished

No = 11

92 pp



No 8

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ साधुस्तुतिश्रीठवत्र॥ एतमाईस्नलि स्त्रिद
॥ पवृक्ष ठि सिद्धपः॥ यमुविरणयमाप्रीति
मधमूर्द्धि णमेयतः॥ माकश्च भिमिठेवद
शीकृतैलेनमारुदे॥ मधुदम रयष्ठत॥ म
तविधूनमेसयः॥ मदूः धतिवतिकुमा वा
लिम्बाप्रे मतमूकि दमाकू शुतु पाडेन

श्रीगणेशायनमः॥ॐश्रींह्रींम
भुठिदल्लानाडिभौ मामभुम
पुष्पः त्रि मधुद्विष ड्यम्बुपठ
युगा यामधूलेकातिहृड क
मीरमुविमीमहनगारे भूद्भुमी
ठदा मवीमधुकमंयडकग
लूं क्लींमातिकायानः॥ठिं
ठिगाड़ि विहूवामिवि केलाम
रावि मं माद्गमिवि क्लंक

त्रिमंद गायत्र्यै नमः॥ त्रिपुरः [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ कमंड लाकमाला
[illegible]॥ गायत्री [illegible]॥ गायत्रीमावाह
त्रि [illegible]॥ [illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ [illegible]

[illegible]॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]॥ [illegible]॥ ॥
[illegible]॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ अज्ञानतिमिरान्धस्य॥ ज्ञानाञ्जनशलाकया॥ चक्षुरुन्मीलितं येन॥ तस्मै श्रीगुरवे नमः॥ ३॥ गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः॥ गुरुर्देवो महेश्वरः॥ गुरुरेव परं ब्रह्म॥ तस्मै श्रीगुरवे नमः॥ ४॥ अखण्डमण्डलाकारं॥ व्याप्तं येन चराचरम्॥ तत्पदं [illegible] दर्शितं येन॥ तस्मै श्री

[illegible]

गुणवे नमः ॥ ५ ॥ त्रिनमस्कारमठगणपति
यतुगक्षयिनि ॥ विघ्नवनरमं सिद्धै ॥ श्रीन
डानेकविघ्नदमा ॥ नवाय नवकपाय ॥ ५
नमोकैकक्षयिणि ॥ मनस्तुनमेतेम्रु ठ
नवसिद्ध यते ॥ श्रमनाय समया नाथ ॥ वि
मदनाय पाशन्ते ॥ पाठनाय कठाने ॥ कवाणं

यमाय भद्रिणाय पावकाय द्विनेत्राय देणेज्ञाय
नमो लठनेगनमे नमः ॥ श्रुद्धे नमः ॥ ५ धे नमः ॥ त्रि
ॐ ऐं दविघ्न एानसेमेगुणमसर्वी मवगणे ॥ सुरवेसु
मम ॥ मम ॥ स्वरमति स्वयमति स्वप्रिमुसवकुलमेक
॥ रैगुर्वं पयीवीउ ॥ शुक्रमुद्र सउमर्कि श्वद ॥ ण्णं
विमक्रा विघ्नमदन ॥ त्रिकाँ ॥ प्रलाणा ॥ त्रिम

ठ्रृठ्रिस्ति ॥ ह्रुनितं ह्रुनक्रुमाय ॥ एक
मायएकमितं ॥ विवक्लितं ॥ विवक्षय वि
भज्ञाय विभजनं ॥ धरामु ह्रु ह्नुयैएषु
नमभुद्रमुयदमः ॥ भरुभस्त्रिउक्रुयेन
विरुदिठवरुभनभा ॥ ॥ भदभुरुल
पङ्कला ॥ भकलमीउगस्मि एकं ॥ वग

मी·१

३

क्ष्माक्लिरण भप्रलवलया धरलवालाविडिः ॥ रु
विङ्गुकार ज्ञि भाङ्ग विल भक्लिश्रीत्रि मामा मूढाः ॥ भवि
घे स्नुल पलवा भिउयमः ॥ धध भरु भद्गुला ॥ भवा
स्वा पत्रिप्रकै विण यडि ॥ श्रीवरु कल कूमः ॥ ॥ त्रि
मत्रुविभाद ॥ त्रिक्रुभाद ॥ त्रिक्रुवः भाद ॥ त्रिश्वः भाद ॥
त्रिक्रुवः भुः भाद ॥ त्रिक्रुभाद ॥ त्रिक्रुवः भादः त्रि

वा:
वैस
९

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥

२२ ॥ ॥ ॐ [illegible]

[illegible]

[illegible]

पतये नमो नारायणाय भगवती [illegible] स्वाहा ॥ [illegible]

[illegible] स्वाहा ॥ [illegible]

स्वाहा ॥ [illegible] स्वाहा

॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

स्वाहा ॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] गुरुं प्रणमामि ॥ श्रीगुरवे नमः
परमगुरवे नमः ॥ परमेष्ठिगुरवे नमः ॥ परमा
त्मने नमः ॥ सर्वसिद्धेभ्यो नमः ॥ ॥ ॥ इति
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः [illegible] नमः ॥ [illegible] वा
॥ [illegible] नमः ॥ [illegible] नमः [illegible] नमः ॥ [illegible]
मः ॥ ॥ [illegible] ॥ नमः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
नमः [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ नमः [illegible] ॥ नमः

वा:
वमः
३

ह्रीं सुगंधमालिन्यै नमः ॥ [illegible] नमः ॥ प्रलयप्र-
ह्रै नमः ॥ मेधाय नमः ॥ [illegible] नमः ॥ पद्माय
नमः ॥ कालिकायै नमः ॥ [illegible]
लोक ॥ [illegible] विष्णु [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ गंग [illegible]
नमः ॥ [illegible] ह्रै नमः ॥ [illegible] नमः ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]

पालाय नमः ॥ ॐ भुम मकागूयवै ॐठव
यहूं मानपदतं कवि ष्मिहुप्रणाय ॥५॥ भ्रल
नफ्रकीपुल्श ॥ ॐ ह्रीं ग्कगफ्र भं फ्रंठल
ॐ ॐ हस्मिदमं विणय ॥ मुमांकं वि
ष्णय ॥ ॐ भुयमधं तुतेकुदू ॥५॥ येकुगुरुवि
मंभुः ॥ येकुल विघ्नकलुरु ॐ नमूतुमि

श्री ५

गवे भ्रूण ॥ धगवुद्दि धामहेयर्यवधू यत्क भाग्यूवी
हेमयतं विकमतः पक्षेतू वद्दहु ठलवतीस्व
धणयः पहूतं यगः के मैं नकल डामी ॥५॥
ॐ हूं फ्रि ॥ ॐ महगायत्री सावित्री सरस्वती मद
हादती श्रीयतं श्रीयतं मतु ॥५॥ ॐ श्रीसूर्य
ये ॥ ॐ पठध्वतं ॥ ॐ नमिप्रुपासे परमे ॥ ॐ

विकम

वः

वैसः

[illegible] ॥ ॐ [illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] ॥ अस्य श्री [illegible] मन्त्रस्य ॥ ॐ [illegible]

[illegible] ऋषिः ॥ गायत्री छन्दः ॥ सरस्वती देवता ॥

[illegible] बीजं ॥ [illegible] शक्तिः ॥ [illegible] क्लीं कीलकं ॥

[illegible] सिद्ध्यर्थे विनियोगः ॥ ॐ [illegible] नमः ललाटे

॥ ॐ [illegible] नमः मुखे ॥ ॐ [illegible] नमः [illegible]

[illegible] ॥ ॥ ॥ ॐ

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॐ ॥ श्री [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सरस्वती ॥ लक्ष्मी [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

ॐ ईं नमः वामनेत्रे ॥ ॐ उं नमः दक्षिणकर्णे ॥
ॐ ऊं नमः वामकर्णे ॥ ॐ ऋं नमः दक्षिणनासा-
पुटे ॥ ॐ ॠं नमः वामनासापुटे ॥ ॐ ऌं नमः द-
क्षिणकपोले ॥ ॐ ॡं नमः वामकपोले ॥ ॐ एं नमः
ऊर्ध्वोष्ठे ॥ ॐ ऐं नमः अधरोष्ठे ॥ ॐ ओं नमः ऊ-
र्ध्वदन्तपङ्क्तौ ॥ ॐ औं नमः अधोदन्तपङ्क्तौ ॥ ॐ

विमी॰ ७

नारायणाय ॥ ऋषिः ॥ द्रुमकः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ पिङ्गल [illegible]
वताहः ॥ श्रीमद्गायत्री ॥ [illegible] ॥ सावित्री
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ [illegible] देवताः
कमलेकपालेश्वरः ॥ ॥ ॐ [illegible]
॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

वः
वैसं
३

ॐ [illegible] नमः || पृष्ठे || ॐ [illegible] नमः || [illegible] || ॐ [illegible] नमः ||

दक्षिणबाहुमूले || ॐ [illegible] नमः कूर्परे || ॐ [illegible] नमः ||

दक्षिण मणिबन्धे || ॐ [illegible] नमः || दक्षिणाङ्गुली

मूले || ॐ [illegible] नमः || दक्षिण अङ्गुल्यग्रे || ॐ [illegible] नमः

वामबाहुमूले || ॐ [illegible] नमः || वाम कूर्परे || ॐ [illegible]

नमः वाम मणिबन्धे || ॐ [illegible] नमः वामाङ्गुल्य

[illegible] साधुभिः || [illegible] || [illegible]

[illegible] || श्रीयन्त्रं || श्रीदत्तमन्त्रः || || || || || १ ||

|| || ॐ [illegible] || [illegible] || [illegible]

[illegible]

[illegible] || ॐ [illegible]

[illegible] || [illegible]

मूले॥ ह्रिं नमः॥ वामा कुलाग्रे॥ ह्रिं नमः द
क्षिण पाद मूले॥ ह्रिं नमः दक्षिण जानुनि॥
ह्रिं नमः दक्षिण गुल्फे॥ ह्रिं नमः दक्षि
ण पादांगुली मूले॥ ह्रिं नमः दक्षिण पादांगुल्यग्रे॥ ह्रिं
नमः वाम पाद मूले॥ ह्रिं नमः वाम ज
नि॥ ह्रिं नमः वाम गुल्फे॥ ह्रिं नमः वा

त्रये स्वाहा॥ वक्त्राय स्वाहा॥ ॐ ह्रूं ये स्वाहा ॐ ह्रू
॥ मित्र स्वाहा॥ विश्वं दे स्वाहा स्वाहा॥ धूम्र पदये
स्वाहा॥ महामये स्वाहा॥ ॐ ज्वालाये स्वाहा॥ वायु
पदये स्वाहा॥ वम्ह्रा वाय स्वाहा॥ अंकुश
य स्वाहा॥ ॥ तवाय ह्रीं वाय स्वाहा॥ ॥ त्रिसमु
त्र मंत्र ॐ ह्रां मितिद॥ ॥ ॥ ॥ ॥ त्रिपुरादा

पादांगुलिमूले ॥ ॐ नं नमः वामगुल्फे ॥ ॐ
पं नमः दक्षिणपार्श्वे ॥ ॐ फं नमः वामपा
र्श्वे ॥ ॐ बं नमः पृष्ठे ॥ ॐ भं नमः नाभौ ॥ ॐ
मं नमः जठरे ॥ ॐ यं नमः हृदये ॥ ॐ रं नमः
दक्षिणकक्षे ॥ ॐ लं नमः वामकक्षे ॥ ॐ वं
नमः ककुदि ॥ ॐ सं नमः हृदि दक्षिण

[illegible] ॥ ॐ [illegible]य नमः ॥ [illegible]य
नमः ॥ [illegible] नामाभिनमस्तु ॥ [illegible] नमाभिनमस्तु
॥ [illegible] नमभिनमस्तु ॥ [illegible] नामाभिन
मस्तु ॥ [illegible] नामाभिनमस्तु ॥ [illegible] नमा
भिनमस्तु ॥ [illegible] नमभिनमस्तु ॥ [illegible] नम
स्तु ॥ [illegible] नमस्तु ॥ [illegible] नमस्तु ॥ [illegible] नमस्तु

सू || ओं धं नमः हरहरि वामदेव सू || ओं मं नमः
हरहरि हरि ... पादे || ओं दं नमः हरहरि
वामपादे || लं नमः हरहृदये || ओं ङं नमः
हरहरि मुखे || ओं ... नमः || मम
लं || ... || ...
... || ओं ... || ओं ... || ओं ... || ओं ... ||

श्री ... नमः || ... नमः || ...
य नमः || श्रीधराय नमः || ... नमः || वामनाय न-
मः विष्णवे नमः || मधुसूदनाय नमः || वैकुण्ठाय न-
... नमः || ... नमः || ओं ... य नमः || ओं ...
... नमः || यमाय नमः || यमपुरुषाय नमः || श्री-
माय नमः || श्रीमत्पुरुषाय नमः || वामनाय नमः

त्रिलोचनः ॥ त्रिउपः ॥ त्रिमहं ॥ ॥ त्रिउद्ध विउ
पाङ्गं ॥ ठञ्जे न्त्र वक्ष स्र मदि ॥ ०ियेयेनः पु
रिन्त्र या उ ॥ ॥ त्रिमुपेल्लीगमेध्रे ॥ श्रु
कुवः श्रीं ॥ सुयाग्रवारू रूवी ॥ हक्ष
गश्रुनवास्त्रिनी ॥ गायत्री ष्ठक्ष माभाउ
श्रुदयेन नमो मुत्र ॥ सुत्रिशा मं ॥ यश्र

वन्दे पुरुषे हेनमः ॥ वक्ष नमः ॥ वक्ष पुरुषे
हेः नमः ॥ कुमं भाकमायनमः ॥ कुहिल्लै स्त्रिव
मरेहे नमः ॥ कुते हे नमः ॥ नक्रप्र रहे कुते हे
नमः ॥ पञ्चमकुछ स्त्रिहेन्ने नमः ॥ पञ्चमकु
छ स्त्रिह सुस्मनीये नमः ॥ सर्वेपिरुहः ॥ ॥
सुपमहन ॥ ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥

वर्मे प्रितृ || प्रत्यग्नये || स्वधु कर्मे || वन्नधृति
नर्मेणम् || यतृप्ति || शुभने नावाव्य || स्व
धुतावतु || मद्य गल्ल्य पठये || मद्य गायहै
मगश्वहे || मविहे || श्वशु गल्ल्ठ गवहे || म
मालठने गविनमः || शुभै नमः || पृधृं नमः
सीपिनमः ७ || वर्मे नमः || शुभ्रुं नाहन [illegible]

यिमस्वात्र || पितामह || पितामह || मातामतु
यास्तुत्रात्र || पितमहि || पृपितामहि || मतामह
|| मातृपनाश्च || || ममधु मातृ पितृहे स्वा
स मिवतुहः || पितृहः || स्वगंधण || स्वशुले पति
वाद || ममधु माता ममालठनेगतुः धण स्व
धः धण || पृधं धण || पृपः धण || सीपः धण

त्रिरी ४

०३

विधिः अर्घाय ॥ अं नमः ७ ॥ अं पं मां नमः

स्कन्धे ॥ सूर्य देवता ॥ त्रि गायत्री छन्दः

याष्ठिका ॥ सुलं सु लों पवी त्रिनीभा ॥ उद

ये उदस्क स्यू ॥ वभाञ्जु लुसलेक्ष्मी उभा

येनु धानाके बुद्धा ॥ गायत्रीं सुमिरन्तुभा

भवन्स्ववत्रुये सिधू ॥ अं भा रा स्रसु भहात्

वा:

वैसं

०१

ठवकैष्टठलप्रलवलि वैवेत्रुं अं अं भण ॥ उ

ल भण ॥ दिनमपा अं भण ॥ उं ह्रां स्मि ॥ भहेत ॥

वभत्राय नमः ॥ उं ह्रां स्मि ॥ त्रि स्वग्रये सिध्रुल

उभाद ॥ धूपुर्या ॥ ॥ ठउत्रां भहेन विभुद्ध

सि ॥ भहत्रुतेन विभुद्धासि ॥ ठउभहाहत्रुवि

भुद्धासि ॥ यह्रुश्रुभनु उत्रसि ॥ यह्रुश्रुत्रुभ

श्री १

१

हतं ॥ त्रिविक्रमः वामनः ॥ श्रीधराय ॥ हृषी-

॥ मत्र्य ॥ माधवाय ॥ पद्मनाभ ॥ दामोदरः ॥ विष्णु हरये

विवकारः ॥ कवचं ॥ विष्णुः कारः ॥ मधुसूदन ॥ त्रि-

वत्सहृत्स्थितं विष्णुं मनुं प्रणमाम्यहं ॥ ब्रह्म-

कारिणमा ॥ विष्णुः पद्मनाभाय नमः ॥ विष्णवः उ

त्तानीहं नमः ॥ विष्णुः माधवाय नमः ॥

व:

वैम

०३

ॐ श्रीमयि सिद्धि ॐ नृसिंहाय नमः ॥ ॐ भगवते

वासुदेवाय नमः ॥ ॐ भगवते वासुदेवाय सर्वभूतात्मने

यमाय नमः ॥ ॐ कल्याणप्रदाय ॥ ॐ सर्वभूतात्मने नमः

॥ ॐ सर्वभूतात्मने सर्वमङ्गलाय नमः ॥ ॐ महतेः उ

ग्राय ॥ ॐ विष्णवे ॥ त्रि याज्ञवल्क्यमहर्षि विनीत

मूर्त्तये नमः ॥ श्रीमद्विष्णवे नमः सर्वपूज्य

॥ [illegible] कहं नमः । [illegible] कहं नमः

[illegible] ॥ [illegible] हं नमः । [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] । [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नमः [illegible]

[illegible] । [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नमः ॥ ॥ [illegible]

॥ [illegible] ॥ [illegible] । [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] नमः

। [illegible] ॥ [illegible]

त्रि
सं
०

त्रिपदः काष्ठे || स्तनः हस्ति || त्रिदशः कण्ठे ||
त्रिसंध्ये सिगमि || त्रिभुवनस्थये: || सवितुः हस्तेे
|| विरिञ्चि कण्ठे || [illegible] काष्ठे || [illegible] हस्तये ||
नीलादि कण्ठे || तिर्यक् सिकयं || यः [illegible]
ये: || [illegible]: ललाटे || [illegible]: [illegible] सिर ||
|| त्रिकुः || त्रिविक्रम || हस्तयाय नमः ||||

वः
वैसं
०२

[illegible] पिङ्ग [illegible] भ्रूमि || [illegible] सर्व [illegible]
|| [illegible]: [illegible] नमः || [illegible]: || ||
त्रि [illegible] नाशीन [illegible] || [illegible] निवासनाम
[illegible] याम [illegible] || ||
|| [illegible] || [illegible]
[illegible] || [illegible]

त्रिकुवः ॥ सुनःछन्दे । विष्णुर्दे । मिरामि भूद ॥
त्रिभुः ॥ भ्रदच्छन्दे रुद्रूय । मापा यैवमल ॥ त्रि
मदः ॥ सुराच्छन्दे कवमय ॠः ॥ त्रिलनः म
रु सिव छन्दे नेरु हं वै थल ॥ त्रिउपः महे प
रभ सिव छन्दे ॥ भभू यदल ॥ ॥ त्रिकुः ॐ ह्मू
विश्वामित्र ऋषिः ॥ गायत्री छन्दः ॥ अग्निर्देवता :

पिङ्क्वि ॥ ऋव भवभ्रूः पमयै वया मिमिभूः
मयकै रग रैट भग्नः ॥ पूत्राः पिसामा भुरवः
ममभु ॥ येमा त्रयि स्कृत्रिमया पूरुतुमा ॥ ॥ पि
प्पीलककीए पत्रग्नकातू ॥ वकुक्रित्रः कमल
वभूः वभूः ॥ पूया तुत्रृष्टिभ्रिं मयत्रं त्रहृवि
मश्चे भपिन्ते ठवत्त ॥ येथां रभातांरुपित्रन

सुतवर्णः॥ षड्जस्वरः कृः प्राणायामेः॥ प्राणायाम
विनियोगः॥ त्रिष्टुप् छन्दः॥ [illegible] ऋषिः
उष्णिक्छन्दः॥ वायुर्देवता॥ सुमवर्णः॥ ऋषभ
स्वरः॥ कृवः स्वाहाः प्राणायामवि ७॥ त्रिष्टुप्
[illegible] ऋषिः॥ [illegible] छन्दः॥ बृहस्पतिर्देवता
पिङ्गलवर्णः॥ गान्धारस्वरः स्वः शुद्धिः॥ प्राण

त्रि सं ७

वः॥ वायवमिश्रितेतद्यावत् [illegible]॥ [illegible]
कृविरुद्रमेतत् यावत् [illegible] कृता
त्रिभचत्रितद्यावत् मेतद् [illegible] विष्णुर्नेतत्
[illegible]॥ [illegible] त्रिकयकृतम [illegible]
[illegible] यावत्प्राण॥ [illegible] मेकृतग [illegible] यामयतद
[illegible] तायपलकृतमद॥ [illegible] मयां

वः वैम ७५

यामेविनियोगः ॥ ३ ॥ त्रिमदः ऋष्यः गौतमऋषिः

बृहतीछन्दः ॥ बृहस्पतिर्देवता ॥ रक्तवर्णः म

हामन्त्रः ॥ मदः नाके ॥ पूजायामेवि ॥ ३ ॥ त्रिष्टुप् नः

ऋष्यः ॥ भृगुऋषिः पंक्तिछन्दः मित्रवरुणौ

देवता ॥ नीलवर्णः ॥ पंचमस्वरः ॥ त्रिष्टुप् नः विनि

ये पूजायामेविनि ॥ ४ ॥ त्रिपदः ऋष्यः वसि

विष्णुसंहिते पार्श्वेस्ति यज्ञिनामवत्तु ॥ ऋतुसू

र्यानीम्नाम ... समविषः ॥ कविक्रतुपक

राय मदीमकाय यजः ॥ सुपमहेनः ॥

यमाय तथा ... य ॥ ऋतवे ... य ॥ वै

॥ वसुक्रायकलाय मेचयूलाय ... यज ॥ ...

यनीलय ॥ ... पशुपतये ॥ ... के ...

ण

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] देवता ॥ लोहितवर्णः
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] । [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] गायत्री मंत्र[illegible]
मः ॥ [illegible] ॥ [illegible] नमः
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] नमः
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible] नमः ॥ मन्त्र ॥ [illegible]
[illegible]
॥ [illegible] बलि[illegible]
[illegible] नमः ॥ [illegible] नमः ॥ ॥
अथ मन्त्र ॥ [illegible] ॥ [illegible]

प्रोतमः ॥ शिरोमन्त्रस्य ॥ प्रजापतिऋषिः ॥ रुद्राग्नि
वायुसूर्यादेवताः त्रिपदा गायत्री छन्दः ॥ यज्ञावा
प्राणायामे विनियोगः ॥ ऋषिर्ब्रह्मा ॥ सविता देव
मः ॥ स्वपपुनर्योरित्यस्मि ॥ तस्य वितुरित्यस्य वि
श्वामित्रऋषिः ॥ गायत्री छन्दः ॥ सविता देवता
यं ऽति वीजं ॥ नं ऽति शक्तिः ॥ नं ऽति कीलकम् ॥

कआपविम ॥ प्रयस्कृत्तघाराहं नः
पुत्राः पितामहः ॥ सर्वपितृ मयायस्तृप्तुव
दत्तं ... नाम ॥ गयायां पितृरूपेण ॥ स्व
यमेव ... ॥ श्रुमेत्र ... लाकय
कआय विष्णुपायय ॥ मनु ... ना
यपितृ ... ॥ पञ्च ... गया

[illegible]

[illegible]

ॐ जैं वामनाय नमः ॥ ॐ मं [illegible] ॥ ॐ [illegible] शिर
से ॥ ॐ कं [illegible] ॥ ॐ [illegible] नासिकायां [illegible] ॥ ॐ टं मे
वामकर्णे ॥ ॐ तं [illegible] ॥ ॐ यं दक्षिणभु
जे ॥ ॐ यं वामभुजे ॥ ॐ [illegible] नाभौ ॥ ॐ लं [illegible] गु
ह्ये ॥ ॐ वं [illegible] दक्षिणबाहौ ॥ ॐ [illegible] वामबाहौ ॥ ॐ
[illegible] दक्षिणपादे ॥ ॐ [illegible] वामपादे ॥ श्री

वि.पू.
५

विभक्तैः प्रविष्टः [illegible] ॥ [illegible] माला
[illegible] ॥

वा:
वेमें:
०३

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] नारायण [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] ॥

[illegible] केशवाय नमः ॥ [illegible]

नारायणाय नमः [illegible] ॥ [illegible] माधवाय नमः

[illegible] ॥ [illegible] गोविन्दाय नमः ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] नमस्करोमि ॥ [illegible] नमोस्तु [illegible]

॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॐ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible]

१५

विष्णु

विष्णवे नमः जंघे ॥ ओं श्रीं मधुसूदनाय नमः ग
र्भाधे ॥ ओं श्रीं त्रिविक्रमाय नम गुह्ये ॥ ओं
श्रीं वामनाय नमः कंठे ॥ ओं श्रीं श्रीधराय नमः
नाभौ ॥ ओं श्रीं हृषीकेशाय नमः ललाटे ॥ ओं
श्रीं पद्मनाभाय नमः भ्रुवोः ॥ ओं श्रीं दामोद
राय नमः शिरसि ॥ ओं श्रीं भद्रकृष्णाय नमः कर्णे

क
वैस
कलश
०७

त्रिविक्रम [illegible] यत्र [illegible] देवि [illegible] याना:
पञ्चा [illegible] व [illegible] त्रि [illegible] प
[illegible] : [illegible] व
॥ मन्त्रः ॥
विष्णु [illegible] मे
॥ श्रीः ॥
[illegible]

[illegible]

ओंसंणीवामुण्डायनमः मस्तके ॥ ओंटंमंकुरु
भ्रयनमः ऊलनि ॥ ओंडिं मतिमकूयनमः ना
भागे ॥ ओंथं ठिं धकषेकुभायनमः ॥ नेत्रयोः ओंयं
यैनुगसिंदयनमः ॥ कृमते ॥ ओंरिं ये मठेकल्पयनमः
ललाटे ॥ ओंलेनं मम्हूडायनमः ॥ स्कन्धे ओं
मंमं मनतायनमः ॥ पश्चिमाङ्गे ॥ ओंमंडं दायैनमः

वि

ओंनमः तस्यप्रय ॥ श्रीगुरुः भगवानव
नदेतु श्रेमधुनमहस्त्रिहसिंवमुफउमं
उक्ति श्मभूणकरंगिरभाकृतकुंररयाज
पिलगुरोठगवनभतु ॥ पादारविन्दाराण
मधुमभीयमुपंरभगुगोदुभवप्रगविमटु
कंपकाष्ठनकदुर अगाविरभाकु ॥ ३ ५
नक्षत्रभिभमवछिापलाकिकुडंमीनांष्टा
दिरुगवनभुतैविदीरं भणै पशीतुभाभि
हंगिरभाउ भगीवपाढकमलनाभिउ
वत्रिउरावलीमुरगुसैम्हउलनुयेग
डुरावलीभापहुडागिरभाकृतकुं ॥ भ
मीगमभम्हविषदीवप्रशाभिउहूहंम
धनयगलभ्रुडवीउभैदः भीउाथम्



श्री
१

उंतुगस्ते ॥ श्रीदेव्याउग्रमुखीकवचस्य नमः ऋषिः ॥ अनु
ष्टुप छंदः ॥ याग यं ति बीजं ॥ रंति शक्तिः
नं ति कीलकं ॥ श्रियाउ प्रियं मंत्रं दियः ॥ श्रि
याउग्रमुखा ॥ णियंमि श्रिमठं मिया ॥ श्रीदि
कवच ॥ श्रियः नेत्र ॥ श्रीकुरुक्षेत्रमध्याय ॥
॥ श्रीसुबमधुधिमडेनपाठकुण्डकुण्डलि मिपातु

श्री
०

[illegible]

२

त्रिसू
३

[illegible] ऋषिः वायुर्देवता । [illegible] छन्दः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] देवता ॥ [illegible] बीजं ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ ४ ॥ [illegible]
[illegible] ऋषिः ॥ [illegible] देवता ॥ [illegible] छन्दः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] बीजं ॥ [illegible]

यमकृतिः ॥ ३९ मुद्रं ॥ विश्वमुद्रा ॥ मदपातकपदे
स्तोत्रम् ॥ त्रि ॐ विनाः ९ स्थिपैः ॥ ३ ॥ त्रिं ३ ॐ ह्रुम
उपमह्रचखिः ॥ विक्रुत्रैवरा ॥ धुतिभ्रुष्टकमः
उरुक्रमरः ॥ ॐ कुनीलवल्कः ॥ ॐ कैवीलं ॥ वि
लामिनीमक्तिः ॥ वयमुद्रं ॥ विश्रीलकः मस्त्रा ॥ गू
देपदपक्तुवकम्युगूदरिखपापपदं स्तोत्रम् ॥

श्रीं हुं नमः इति ॥ ३ ॥ अस्य श्रीमन्त्रस्य कम्बुपञ्चषिः
[illegible] देवता ॥ [illegible] ॥ [illegible] बीजं [illegible]
[illegible] शक्तिः ॥ [illegible] कीलकं ॥ [illegible] मतिः [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] पदं [illegible]
[illegible] ॥ श्रीं [illegible] नमः इति ॥ ४ ॥ अस्य श्रीमन्त्रस्य
ऋषिः ॥ [illegible] देवता ॥ गायत्री छन्दः ;

श्री
७

मनस्तुष्टुभः ॥ ॐ किं कीलकः ॥ क्रीं बीजं

लीलाशक्तिः ॥ गङ्गाप्रीत्यर्थे ॥ विनियोग मन्त्र ॥ श्रीगङ्गा

गमनाय पदे ह्रीं येन ॥ विश्वेश्वरनमः गुणेन ॥ वि

लिङ्गाय ॥ अद्भुतनिधिः वाञ्छितफलप्रद ॥ लक्ष्मी

कान्तः ॥ जगन्नाथः ॥ विष्णुर्विश्वरूपः सर्वशक्ति

र्लं ॥ सर्वशक्तिः ॥ रमानाथे ॥ विश्वरूपमन्त्रः

ॐ नमो विष्णुस्वरूपस्य श्रीगङ्गायै नमः शिवः शिवम

हिमाचलकन्यकाय नमः पञ्चकाः श्रीचन्द्रमौलि

भावं कृष्णभक्तये । नमः श्रीगोपालायेश्वरा

सुखदेवम जगन्नाथ विश्वरूप श्रीसुन्दरवल्लीकया :१

कृष्णसुन्दराय गङ्गाल्यादिवियाम्यः श्रीमत्

सुरेन्द्रप्रियमहागङ्गापरमात्मने ३ वल्लभीनि

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

श्री ५

७२

[illegible] ॥ परमात्मा ऋषिः॥ [illegible] छन्दः [illegible] देवता

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] शक्तिः॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] १०३ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ऋषिः॥ [illegible] देवता ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥

त्रिधा ऋषिः ॥ उष्णिक् छन्दः ॥ रुद्रो देवता ॥ र कीली
लं ॥ माया शक्तिः ॥ [illegible] बीजं ॥ ज्ञानं [illegible] ॥ मचप
पापं [illegible] योग ॥ [illegible] नमः ॥ ललाटे ॥ ७ ॥
त्रिलेने नमः ॐ [illegible] ॥ मन्त्र[illegible] ॥ पूर्व[illegible]देवता
पूर्व ऋषिः ॥ [illegible] छन्दः ॥ [illegible] देवता ॥ ल
कीलं ॥ वाणी शक्तिः ॥ [illegible] बीजं ॥ वाद

भस्म॥ शिवाय परम ब्रूयपंचास्यायेत॥ त्रिलेनेनभः प्र
चाम्र ।७॥ शिवं भूत्वा त्रिषु॥ म्लम्ना लिपितदधिः
मवेशिवशिवत्ताः॥ श्रुतिदत्तिकृतः॥ मनस्तुष्ट
रः॥ नीलीदलठेवतः॥ वकारीवीर्यं॥ पञ्चलया
मक्रिः॥ मनश्रुतं॥ भिदकृत्वभवः॥ शिवाय परम
ब्रूयपंचास्यायेत॥ शिवंभूत्वानमः स्कन्दर्शम् ।७०॥

स्ती५
०२

त्रिभं[illegible] ॥ [illegible]ऋषिः ॥ [illegible] देवता ॥ वि[illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सर्कीबीजं ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ विष्णु
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ।११॥
त्रिभं[illegible] ॥ [illegible]ऋषिः ॥ [illegible] देवता ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ सर्कीबीजं

सैढकामसिद्धिः॥ अपवर्गप्रदं॥ भक्तरक्षकं॥ ब्रह्मप
त्स्मरणकेशवेन॥ त्रिविक्रमाय नमः उत्तरायणे ॥१३॥
त्रिदशाधीशपूजितं॥ सर्वत्र पठेदिति॥ स्नानकाले
भुक्तिमुक्तिदं॥ उत्तरायणकृतः॥ अपराधक्षमः॥ राजन
लक्ष्मीवल्लभः॥ दक्षिणायने॥ वैकुण्ठपदसिद्धिः॥ गु
णसर्वयशं॥ पद्मनाभकृत॥ ब्रह्मविष्णुमहेशक

ॐ मन्त्र॰ प्र॰ प्रतिष्ठा ॥ अस्य श्री क्रुवः शुभ्र
प्र॰ ठ॰ कायत्रैव मन्त्रः ॥ प्र॰ ञ्य॰ गायत्रीव
मंत्री गायत्री ॥ गायत्री छन्द गायत्री रूपा ॥ ॥
मे श्रियव्याद्रि व्याद्रैरवत्तरं वसिष्ठ ऋषिः प्रत्यपति
ग दीक्षया ॥ द्वयप्र॰ ... ॥ प्रणवः ॥ अस्य
ऋकिञ्च विश्वकर्मा ऋषि ॥ मन्त्रे वैश्वकर्म॰ श्रीः

त्रिवी॰
७१

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

मिति ॥ गायत्र्यष्टकं समाप्तं ॥ [illegible]

[illegible] प्रणव [illegible] ॥ भूर्भुवः स्वः [illegible] गा

यत्री [illegible] ॥ [illegible] ॥

सू॰ १ [illegible] ॥ [illegible]

७ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

पं॰ मी॰ [illegible]

२ [illegible]

वि [illegible] ॥ गायत्री [illegible] ॥ ॥ ॥ ॐ [illegible]
गायत्री [illegible] ॥ [illegible] ऋषिः ॥ गा
यत्री छन्दः ॥ [illegible] देवता ॥ सा
[illegible] विनियोगः ॥ ॐ [illegible]
[illegible] शिवः ॥ [illegible]
[illegible] ॥ ॐ [illegible]

१०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

३०

CC-0. Dogra Art Museum Jammu.Digitized by eGangotri

ण्यियेयेनः ॥ पूर्वमस्याः ॥ ॐ अस्य ऋषिः ॥ त्रिपदु
ऋषिः गायत्री छन्दः ॥ विष्णुर्देवता ॥ ह्रीं बीजं ॥ ऐं
शक्तिः ॥ क्लीं कीलकम् ॥ ममाभीष्टसिद्ध्यर्थे विनियोगः
ॐ ॥ ह्रां ह्रीं अङ्गुष्ठाभ्यां नमः ॥ तर्जनीभ्यां नमः
मध्यमाभ्यां नमः ॥ अनामिकाभ्यां नमः ॥ कनिष्ठिका
भ्यां ॥ करतलकरपृष्ठाभ्यां नमः ॥

मी० ५
३३

इति ३३ [illegible]

[illegible]

यायवः॥ दर्गेमि पाध्मनं म विघ्नि ॥ प्रद्‌ायनमः

ॐ उपूरः ॥ त्रिभुवा यद्द यावायद्दायान्द्रे चा

यायवः॥ उक्रजेमि पाध्मनं म विघ्नि लौं प्रदाय

नमः॥ ॐ उभगट्ठ॥ त्रिभुवा यद्द यावायद्दाय

शीप न्द्रे चा यायवः॥ मंविघ्नमि पाध्मनं म विघ्नि॥ मंः

३४ प्रदाय नमः॥ ॐ उमायमा॥ त्रिकामूल नं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पंनी [illegible]

३ [illegible] ॥ ॥

